<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड– 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें। एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/2/1	2/2/2	2/2/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(A) मानव को ब्रह्म तक ले जाने का मार्ग है।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(B) हमारी सभ्यता के प्रारंभ में	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• आनंद प्रदान करने वाली आध्यात्मिक साधना • मानव को ब्रह्म तक ले जाने का मार्ग • जन-जीवन के उल्लास को प्रकट करने और उसे गतिमान करने का प्रभावी साधन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(v)	(v)	(v)	• हमारे घरेलू और सांसारिक जीवन में सभी कार्यों का संगीत से आरंभ होना उदाहरण – नामकरण, कर्णच्छेदन, विवाह, तीज-त्योहार, खेत, चौपाल, आमोद-प्रमोद, जीवन-मृत्यु आदि में संगीत (कोई चार उदाहरण अपेक्षित)	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• सामूहिक स्फूर्ति एवं प्रेरणा देना • सामूहिक शक्ति देना	2
	(vii)	(vii)	(vii)	• खेत में, चौपाल में, चक्की चलाने में, धान कूटने एवं तीज-त्योहार आदि के समय (कोई दो उदाहरण अपेक्षित)	1

2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(B) दैनिक जीवन में काम आने वाली चीजों के	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) पुरखों और परंपरा से मिली विरासत की ओर	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) हमारे स्वाद का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• हमारी हर गतिविधि और अनुभवों का लेखा-जोखा होना • सभी वस्तुओं और उत्पादों का नक्शे में समाहित होना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1
	(v)	(v)	(v)	• प्रकृति और पर्यावरण की वर्तमान परिस्थितियाँ शोचनीय • नदियाँ नक्शे में ही साफ और चमकदार दिखाई देती हैं, यथार्थ में तो प्रदूषित और सूखी	2
	(vi)	(vi)	(vi)	कौन- • साधारण व्यक्ति चिंता- • वर्तमान से असंतुष्टि और भविष्य के प्रति असुरक्षा का भाव	1+1
				खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	4	5	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख- • आरंभ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	6**x**1=6
4	**4**	**3**	**4**	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-	(4**x**2=8)
	(i)	-	-	अर्थ- • दूसरों के द्वारा तैयार की गई सामग्री को याद करके ज्यों का त्यों प्रस्तुत करना	1+1

				बुरी लत क्यों- ● मौलिक विचारों को प्रस्तुत करने की आदत विकसित न हो पाना, दूसरों पर निर्भर हो जाना ● अभ्यास या रियाज़ का अवसर न मिलना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	
	(ii)	-	-	● तीनों में कथानक, पात्र, संवाद, द्वंद्व, परिवेश और चरमोत्कर्ष का होना	2
	(iii)	(v)	(iv)	● हिंदी में वेब पत्रकारिता अभी शैशवकाल में ● मानक की-बोर्ड की अनुपलब्धता ● डायनामिक फॉन्ट की अनुपलब्धता से हिंदी वेब पत्रकारिता की ज्यादा साइटें न खुल पाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iv)	(iii)	(v)	● विशेष लेखन की शब्दावली का सामान्य लेखन से भिन्न होना ● विषय-विशेष की तकनीकी शब्दावली से युक्त ● किसी निश्चित लेखन-शैली का न होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(v)	(iv)	(iii)	● मुद्रित माध्यम में स्थायित्व एवं प्रामाणिकता का होना ● सस्ता और सहजता से उपलब्ध ● कभी-भी, कहीं-भी ले जाने और पढ़ने की सुविधा ● ख़बरों पर रुककर, चिंतन, विचार और विश्लेषण करने की सुविधा ● लिखित भाषा का विस्तार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(i)	-	● व्यक्तिगत भावों और विचारों की अभिव्यक्ति के लिए 'मैं' शैली का अबाधित प्रयोग ● आत्मनिष्ठता, लेखक के व्यक्तित्व की छाप	2
	-	(ii)	-	● ध्वनि प्रभावों और संवादों के जरिए अभिव्यक्ति की चुनौती	2

				• एकरेखीय माध्यम, सीमित अवधि, पात्र-संख्या सीमित	
	-	-	(i)	• विषय विशेष की प्रकृति के अनुरूप सार्थक और सुसंगत विचारों को विस्तार देना • आकर्षक, निर्वाह योग्य, सुसंबद्ध और सुसंगत तरीके से अपनी बात को उचित तालमेल के साथ प्रस्तुत करना • मौलिकता, तार्किकता एवं अभ्यास को महत्त्व देना (परीक्षार्थी के अन्य उपयुक्त सुझाव भी स्वीकार्य) (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ii)	• संवादों और ध्वनि-प्रभावों के माध्यम से ही प्रस्तुति संभव • परस्पर संवाद करने वाले चरित्रों को हम देख नहीं पाते इसलिए उनका नाम लेना जरूरी • पात्र विशेष के क्रियाकलापों, भाव-भंगिमाओं, मानसिक द्वंद्व एवं घटनाओं को भी संवाद का हिस्सा बनाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
5	**5**	**5**	3	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	(i)	(i)	• रेडियो की समस्त प्रस्तुति ध्वनि, स्वर और शब्दों पर निर्भर • श्रोताओं की अभिरुचि एवं माँग के अनुरूप कार्यक्रमों की प्रस्तुति • पुन: सुनने, शब्दकोश की सहायता लेने का अवसर न होना • भ्रामक या अरुचिकर होने की चुनौती	4
	(ii)	(ii)	(ii)	• विषय-विशेषज्ञ का अनुभवी होना • विषय-विशेष की बारीकियों का ज्ञान • विषय-विशेष की तकनीकी शब्दावली की समझ • विश्लेषण करने की क्षमता • जानकारी और अंतर्दृष्टि से निहित लेखन पाठकों के लिए लाभप्रद (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4

	(iii)	(iii)	(iii)	• स्थान और समय के आधार पर दृश्य विभाजन • कहानी के अनुसार औचित्यपूर्ण व क्रमानुसार दृश्य विभाजन • प्रारंभ, मध्य और अंत का ध्यान रखते हुए दृश्य विभाजन • कथानुसार दृश्यों का तार्किक विकास • परिवेश और परिस्थितियों के अनुसार दृश्य या मंच सज्जा आदि की व्यवस्था (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	7	8	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) अपने समय की आर्थिक विषमता का	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) व्यापार करना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) समुद्र की आग को	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) राम रूपी कृपा जल से	1
	(v)	(v)	(v)	(B) (i) और (iii) दोनों	1
7	7	8	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 **=6**)
	(i)	(i)	(i)	• मनुष्य में दृढ़ता, आत्मविश्वास, निडरता और जुझारूपन जैसे गुणों का विकास • लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना करना • सतत परिश्रम कर अंततः सफल होना • पतंग लूटने-पकड़ने की कोशिश में छत के किनारों तक आना, गिरना और सँभलना - जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के समान (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ii)	(ii)	(ii)	• कविता के समान ही खिले फूलों में भी सौंदर्य, कोमलता एवं आनंद • फूलों का सौंदर्य अल्पकालीन, कविता अनंत जीवन और आनंद से युक्त • खिलकर मुरझा जाना फूलों की नियति, किंतु सदैव नए अर्थ ग्रहण कर कालजयी बने रहना कविता का स्वभाव	3

	(iii)	(iii)	(iii)	किससे- ● शोषित वर्ग (किसान, मज़दूर, श्रमजीवी वर्ग) द्वारा शोषण के विरुद्ध की जाने वाली क्रांति से क्यों- ● सत्ता छिनने का भय ● अधिकार छिनने का भय ● संपत्ति छिनने का भय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2
8	8	6	6	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	-	-	● खेतों में उन्नत फसल उगाने के लिए, खाद की आवश्यकता के समान ही सुंदर एवं श्रेष्ठ साहित्य की रचना के लिए कल्पना रूपी रसायन (खाद) की आवश्यकता ● इसके संयोग से रचना का अधिक परिपक्व एवं अनंतता को प्राप्त होना	2
	(ii)	-	-	किन्हें- ● अपाहिज व्यक्ति और दर्शक क्यों- ● व्यावसायिक लाभ एवं लोकप्रियता को बढ़ाने के कारण	1+1
	(iii)	-	-	● एक मुहावरा, जिसका अभिप्राय है - बात की कसावट का समाप्त हो जाना ● पांडित्य प्रदर्शन की लालसा में अपनी बात की सटीक अभिव्यक्ति न कर पाना ● कविता का भावहीन एवं संवेदनहीन हो जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(i)	-	● कल्पना रूपी रसायनों से पोषित होकर ● अधिक भाव समृद्धि के साथ रचना रूपी फसल के रूप में विकसित होकर	2
	-	(ii)	-	● मीडियाकर्मियों के सामाजिक सरोकार से युक्त कार्यक्रम - एक छलावा	2

				• केवल व्यावसायिक लाभ एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु पीड़ित व्यक्ति की पीड़ा और विवशता का भद्दा प्रदर्शन	
	-	(iii)	-	• बात का प्रभावहीन हो जाना • पेंच की चूड़ी मरने पर कसावट समाप्त होना और अपने खाँचे में सही नहीं बैठना, उसी प्रकार आडंबरपूर्ण शब्दों के प्रयोग एवं अनावश्यक विस्तार से बात के प्रभाव का समाप्त होना	2
	-	-	(i)	• अलौकिक रस से युक्त फूटती अमृत धाराएँ • रस का अक्षय पात्र एवं कालजयी होना	2
	-	-	(ii)	• चैनल की लोकप्रियता को बढ़ाने वाला, व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति करने वाला • निहित उद्देश्य से पूछे जाने वाले प्रश्न, कैमरामैन को दिए जाने वाले निर्देश (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2
	-	-	(iii)	• पांडित्य-प्रदर्शन एवं जबरन प्रयोग किए गए शब्दों से रचना का प्रभाव कम होना • पेचीदे शब्द-जाल में फँसी भाषा का प्रभावहीन होना • जटिल शब्दों का प्रयोग भावों और विचारों की सहज एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति में बाधक (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
9	9	11	10	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) पैसों के प्रति भक्तिन के प्रेम की गाथा दूर-दूर तक फैल चुकी थी।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) गाँव में महादेवी जी के रहने का प्रबंध अपनी पूँजी से करने	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) वह निजी इच्छा के अनुरूप कार्य करती थी।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) भक्तिन और महादेवी जी के संबंधों के	1
	(v)	(v)	(v)	(B) अपनत्व	1

10	**1**0	9	9	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	**(2x**3 **=6)**
	(i)	-	-	• उपभोक्ता द्वारा अनावश्यक वस्तु को भी आवश्यकता मान लेने पर सद्भाव का ह्रास • दो भाइयों या सहृदयों का भी विक्रेता और ग्राहक की तरह काम करने लगना • माँग बढ़ते ही वस्तुओं की कीमतें बढ़ना • माँग और पूर्ति का सीधा असर बाज़ार में दिखाई देना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ii)	-	-	• उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य	3
	(iii)	-	-	क्यों- • वैश्वीकरण और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से लोगों के मूल्य और जीवन-शैली में बदलाव • आधुनिकीकरण, औद्योगीकरण और तकनीकी विकास के कारण मनोरंजन के विविध साधनों की उपलब्धता (कोई एक बिंदु अपेक्षित) प्रयास- • लोक कलाकारों का प्रशिक्षण • लोक कलाओं का संरक्षण • लोक कलाओं का प्रचार-प्रसार करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2
	-	(i)	-	• उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य	3
	-	(ii)	-	तुलना- • जीजी द्वारा इंदर सेना पर पानी फेंकने को पानी की बुवाई, त्याग और दान मानना, लेखक द्वारा अंधविश्वास और पानी की बर्बादी मानना क्यों- (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+2

	-	(iii)	-	• व्यवस्था परिवर्तन के कारण राज्य से निष्कासित होने पर लुट्टन पहलवान और उसके पुत्रों का भुखमरी की स्थिति में आ जाना • वैश्वीकरण और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से लोगों के मूल्य और जीवन-शैली में बदलाव • आधुनिकीकरण, औद्योगीकरण और तकनीकी विकास के कारण मनोरंजन के विविध साधनों की उपलब्धता	3
	-	-	(i)	उपाय- • खाली अथवा बंद मन से बाज़ार न जाना • आवश्यकताओं के अनुरूप ही खरीददारी करना • बाज़ार की चकाचौंध से बचते हुए अपने मन को संयमित रखना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) क्यों- (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+1
	-	-	(ii)	• सहमति / असहमति तर्क- (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+2
	-	-	(iii)	• नई व्यवस्था के कारण राज्य से निष्कासित होने पर लुट्टन पहलवान और उसके पुत्रों का भुखमरी की स्थिति में आ जाने की कथा • वैश्वीकरण और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से लोगों के मूल्य और जीवन-शैली में बदलाव • आधुनिकीकरण, औद्योगीकरण और तकनीकी विकास के कारण मनोरंजन के विविध साधनों की उपलब्धता (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	3
11	11	10	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	• कालिदास- शिरीष के फूल का कोमल होना, केवल भ्रमरों के पदों के दबाव को ही सहन कर पाना**,** पक्षियों के भार को नहीं • हजारी प्रसाद द्विवेदी- शिरीष का सब-कुछ कोमल न होना, नए फूलों के निकल आने पर भी इसके मज़बूत फलों का अपना स्थान न छोड़ना	2

	(ii)	(ii)	(ii)	क्यों- ● उद्योग-धंधे, तकनीकी विकास और सम-सामयिक परिवर्तन के कारण दुष्परिणाम- ● व्यक्तिगत रुचि और योग्यता के विरुद्ध किसी पेशे को अपनाने की बाध्यता ● बेरोजगारी व भुखमरी की स्थिति (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	● बाज़ारवाद के संदर्भ में 'तप' का नकारात्मक अर्थ - मन को मारना ● मन को मारकर बाजार के जादुई आकर्षण से बचना संभव नहीं ● मन को संयम में रखकर ही बाज़ार के आकर्षण से बचाव संभव (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
12	12	12	12	**'पूरक पाठ्य पुस्तक'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	कारण- ● पुरानी पीढ़ी और नई पीढ़ी के बीच वैचारिक अंतर ● पुरानी पीढ़ी द्वारा नए बदलाव को स्वीकारने में असहज होना ● नई पीढ़ी का आधुनिक जीवन-शैली को अपनाना ● भौतिकता को जीवन में प्रधानता देना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) कैसे- ● पुरानी पीढ़ी द्वारा आधुनिक बदलावों को स्वीकारना ● नई पीढ़ी द्वारा आधुनिक/पाश्चात्य संस्कृति के साथ-साथ अपने पारंपरिक मूल्यों को भी सम्मान देना ● दोनों पीढ़ियों के बीच वैचारिक सामंजस्य (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	(ii)	-	-	क्यों- ● पारिवारिक सदस्यों के बीच बँटवारे एवं शहरीकरण के कारण कृषि योग्य भूमि का कम हो जाना ● कृषि कार्य में मेहनत, लागत अधिक और आय कम होना ● अन्य व्यवसायों की तुलना में कृषि कार्य को उचित सम्मान न मिलना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+3

				किस प्रकार कम - ● आधुनिक तकनीक और सरकारी सहायता से कृषि कार्य को सरल बनाना ● उन्नत बीज, खाद एवं सिंचाई के माध्यम से उपज बढ़ाकर ● कृषि उपज के समुचित भंडारण की व्यवस्था ● फसलों का उचित मूल्य निर्धारण (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	
	(iii)	-	-	● लगभग 5000 साल पुरानी सभ्यता ● साधन-संपन्न सभ्यता ● खेतीहर-पशुपालक सभ्यता ● नगर योजना आज की सेक्टर मार्का कॉलोनियों के नियोजन से कहीं बेहतर ● पूरा शहर नदी किनारे छोटे-मोटे अप्राकृतिक टीलों पर आबाद ● जल-संरक्षण एवं निकासी की समुचित व्यवस्था ● कला और सुरुचि की दृष्टि से समृद्ध ● कला-सौंदर्य राजपोषित या धर्मपोषित न होकर समाजपोषित ● उन्नत वास्तुकला का नमूना ● भव्यता का आडंबर न होकर स्वयं अनुशासित सभ्यता ● सामाजिक व्यवस्था में एकरूपता (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	(i)	-	संदर्भ- ● यशोधर बाबू द्वारा अपने घर में आयोजित पार्टी के समय मेहमानों से परिचय के समय ● संस्कारी कुमाऊँनी होने के बावजूद विलायती रीति-रिवाजों से भी भली-भाँति परिचित विचार- (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	-	(ii)	-	● कठिन से कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने की ● विपरीत परिस्थितियों में न घबराकर राह निकालने की	5

				• समय के साथ चलते हुए नई सोच विकसित करने की (पढ़ाई-लिखाई कर नौकरी या व्यवसाय करने की) • स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर आगे बढ़ने की • भौतिक अभावों को अपने ऊपर हावी न होने देने की	
	-	(iii)	-	• महाकुंड, उन्नत, सुनियोजित, अद्वितीय वास्तुकला का उदाहरण • सामूहिक स्नान के लिए निर्मित • 40 फुट लंबा और पच्चीस फुट चौड़ा तथा सात फुट गहरा कुंड • कुंड में उतरने के लिए उत्तर और दक्षिण से सीढ़ियाँ • तीन तरफ साधुओं के कक्ष, उत्तर में दो पंक्तियों में आठ स्नानघर, किसी का द्वार दूसरे के सामने नहीं खुलना • कुंड के पानी से रिसाव के लिए, अशुद्ध पानी अंदर आने से रोकने के लिए कुंड के तल में और दीवारों पर पक्की ईंटों से चूने और चिरोड़ी के गारे से चिनाई। • कुंड के पानी के बंदोबस्त के लिए दोहरे घेरे वाला कुआँ • कुंड के पानी को बाहर निकालने के लिए पक्की ईंटों से बनी और ढकी नालियाँ (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	-	(i)	• भौतिकतावादी सोच से प्रभावित व्यक्ति • एकाधिकार की चाहत • दिखावे की प्रवृत्ति • अवसरवादी व स्वार्थी • पिता के प्रति विनम्रता का अभाव • पारिवारिक उत्तरदायित्त्वों के प्रति उपेक्षा का भाव • आय का घमंड (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	-	(ii)	• गुरू को ईश्वर से बड़ा मानना • कविता पाठन, लेखन तथा गायन में आनंदा की रुचि बढ़ाने में मास्टर सौंदलगेकर की महत्त्वपूर्ण भूमिका	5

				• वार्षिकोत्सव में मास्टर जी द्वारा आनंदा को प्रोत्साहित करना • कक्षा में आनंदा से कविता पाठ कराकर उसमें आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ाना • कविता-लेखन में सुधार तथा कविताओं की पुस्तकें प्रदान कर आनंदा के कवि बनने में महत्त्वपूर्ण योगदान	
	-	-	(iii)	• नगर योजना सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप से विकसित • उन्नत, सुनियोजित, अद्वितीय वास्तुकला का उदाहरण • आज की सेक्टर मार्का कॉलोनियों से बेहतर • बाढ़ से बचने के लिए पूरा शहर छोटे-मोटे टीलों पर आबाद • सड़कें चौड़ी, सीधी या आड़ी • जल निकासी का उचित प्रबंध, नालियाँ पक्की और ढकी हुई • घर, सार्वजनिक स्थल, कुंड एवं कुँओं की बनावट (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5